'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' यात्रा वृत्तांत की समीक्षा कीजिए। 15

15/05/2018 (Morning)

This question paper contains 4 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper : **4438** **HC**

Unique Paper Code : **12051602**

Name of Paper : **Hindi Nibandh Aur Anya Gadya Vidhayein**

Name of Course : **B.A. (Hons.) Hindi : CBCS**

Semester : **VI**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

1. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:

(क) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। मनोराग अधिक मृदु हो जाता है, विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है।

अथवा

दु:ख और सुख तो मन के विकल्प हैं। सुखी वह है जिसका मन वश में है, दु:खी वह है जिसका मन परवश है। परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ हजूरी। जिसका मन अपने वश में नहीं है, वही दूसरे के मन का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है। कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है। वह वशी है। वह वैरागी है।

(ख) इन प्रमाणपत्रों से निराला को कोई तात्कालिक लाभ न हुआ, उन्हें किसी पत्रिका के संपादकीय विभाग में नौकरी न मिली। कलकत्ते की पोपुलर ट्रेडिंग कंपनी से बच्चों के लिए कुछ किताबें लिखने का आर्डर जरूर मिल गया। भक्त ध्रुव, भक्त प्रह्लाद और भीष्म पर उन्होंने तीन छोटी-छोटी पुस्तकें लिखीं। भक्त ध्रुव लिखते समय उन्हें कलकत्ते के हिन्दू-मुस्लिम दंगे याद आये। बच्चों में साम्प्रदायिकता के भाव न पनपें, इस विचार से पुस्तक की भूमिका में उन्होंने लिखा, "साथ ही, ईश्वर-प्राप्ति विषयक गूढ़ रहस्यों का उद्‌घाटन भी कर दिया गया है ताकि धर्म के मार्ग से घातक कट्टरता का इस देश से लोप हो जाए, बच्चे हर प्रान्त और हर जाति के बालकों से सहानुभूति रखना सीखें।"

अथवा

इतने दिनों से बिछुड़ने के बाद, मिलने पर, जो सबसे पहली चीज उसने मेरे हाथों पर रखी, वे थे रेशम और कुछ सूत

के अजीबोगरीब ढंग से लिपटे-लिपटाए डोरे, बद्धियां, गंडे आदि। यह सूरज देवता के हैं, यह अनंत देवता के, यह आम देवता के, यों ही गिनती-गिनती, आखिर में बोली—'ये हुसैन साहब के गंडे हैं, आपको मेरी ही कसम, इन्हें जरूर ही पहन लीजिएगा।' 8+7

2. 'मेले का ऊँट' निबंध सांस्कृतिक बदलाव को दर्शाता है, स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'लोभ और प्रीति' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। 15

3. 'वैष्णव की फिसलन' निबंध में निहित व्यंग्य पर प्रकाश डालिये। 15

अथवा

'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध की भाषा-शैली पर विचार कीजिए। 15

4. जीवनी के तत्त्वों के आधार पर 'निराला की साहित्य साधना' की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

'साहित्य की आत्मकथा विधा सत्य पर आश्रित होती है', पांडेय बेचन शर्मा उग्र जी की आत्मकथा 'अपनी खबर' के आधार पर विवेचन कीजिए। 15

5. पाठ्यक्रम में निर्धारित संस्मरण और रेखाचित्र के आधार पर दोनों साहित्यिक विधाओं का अंतर स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा